भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +1036

सोमवार, 26 जुलाई, 2021/4 श्रावण, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

महाराष्ट्र में पर्यटन को बढ़ावा देना

+1036. श्री रामदास तडस:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार महाराष्ट्र राज्य में पर्यटन की संभावनाओं से अवगत है, जो बाघ अभयारण्य, राष्ट्रीय उद्यानों, हिल स्टेशनों, समुद्र तटों, वन्यजीवों, विरासत स्थलों, ऐतिहासिक स्थलों और मंदिरों से समृद्ध है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा विगत पांच वर्षों के दौरान महाराष्ट्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): पर्यटन के संवर्द्धन और विकास का मुख्य रूप से दायित्व राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों का है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय अपनी स्वदेश दर्शन योजना और प्रशाद योजना के तहत महाराष्ट्र सहित देश में पर्यटन संबंधी अवसंरचना और सुविधाओं के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों (यूटी) के प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। राज्य सरकार द्वारा परियोजना प्रस्तावों की प्रस्तुति और उनकी स्वीकृति एक सतत प्रक्रिया है। स्वदेश दर्शन योजना के तहत विकास के लिए परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है और उन्हें संबंधित योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, निधियों की उपलब्धता और पहले जारी की गई निधियों के उपयोग की शर्त पर स्वीकृति प्रदान की जाती है।

पर्यटन मंत्रालय ने 2015-16 में सिंधुदुर्ग तटीय सर्किट (शिरोडा बीच), सागरेश्वर, तारकर्ली, विजयदुर्ग (बीच और कीक), देवगढ़ (किला और बीच), मितभाव, टोंडावली, मोसेहमद और निवाती किला) के महाराष्ट्र तटीय परिपथ विकास के लिए 19.06 करोड़ रुपये और 2018-19 में आध्यात्मिक परिपथ-वाकी-अदासा-धापेवाड़ा-पारडसिंगा-छोटा ताज बाग- तेलनखंडी -गिराड के विकास के लिए 54.01 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की है ।

पर्यटन मंत्रालय की प्रशाद योजना के तहत वर्ष 2017-18 में त्र्यंबकेश्वर के विकास के लिए 37.81 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई।

पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार टाइगर रिज़र्व, राष्ट्रीय उद्यानों, हिल स्टेशनों, समुद्र तटों, वन्यजीवों, विरासत स्थलों, ऐतिहासिक स्थलों, और मंदिरों सहित भारत का एक समग्र गंतव्य के रूप में संवर्धन करता है और अपनी चल रही गतिविधियों के भाग के रूप में, देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए 'अतुल्य भारत' ब्रांड-लाइन के तहत घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और ऑनलाइन मीडिया अभियान जारी करता है। मंत्रालय अपनी वेबसाइट और समय-समय पर तैयार की गई प्रचार और संवर्धन सामग्री के माध्यम से भी पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों को बढ़ावा देता है।

*****